राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान

(राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त मानित विश्वविद्यालय)

जयपुर परिसर, जयपुर

❊ आमन्त्रण पत्र ❊

राष्ट्रीय पालि-प्राकृत सङ्गोष्ठी

(दिनाङ्क : 5-6 मार्च, 2019)

विषय : पालि प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता

स्थान– परिसरस्थ डॉ. हिन्द केसरी सभागार

समापन सत्र

दिनाङ्क : 6-3-2019 अपराह्न 3.00 बजे

अध्यक्ष - प्रो. अर्कनाथ चौधरी,
प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर

मुख्य अतिथि - श्री सुधांशु कासलीवाल
अध्यक्ष, श्री दि.जैन अतिशय क्षेत्र, श्रीमहावीरजी

सारस्वत अतिथि - प्रो. भागचंद भास्कर,
पूर्व अध्यक्ष, पालि-प्राकृत विभाग,
नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर

मुख्य वक्तव्य - प्रो. प्रेमसुमन जैन
पूर्व अध्यक्ष, प्राकृत एवं जैन विद्या विभाग,
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रतिवेदन प्रस्तुति - प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई

उक्त कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर अनुगृहीत करें।

प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई
संयोजक

प्रो. अर्कनाथ चौधरी
प्राचार्य

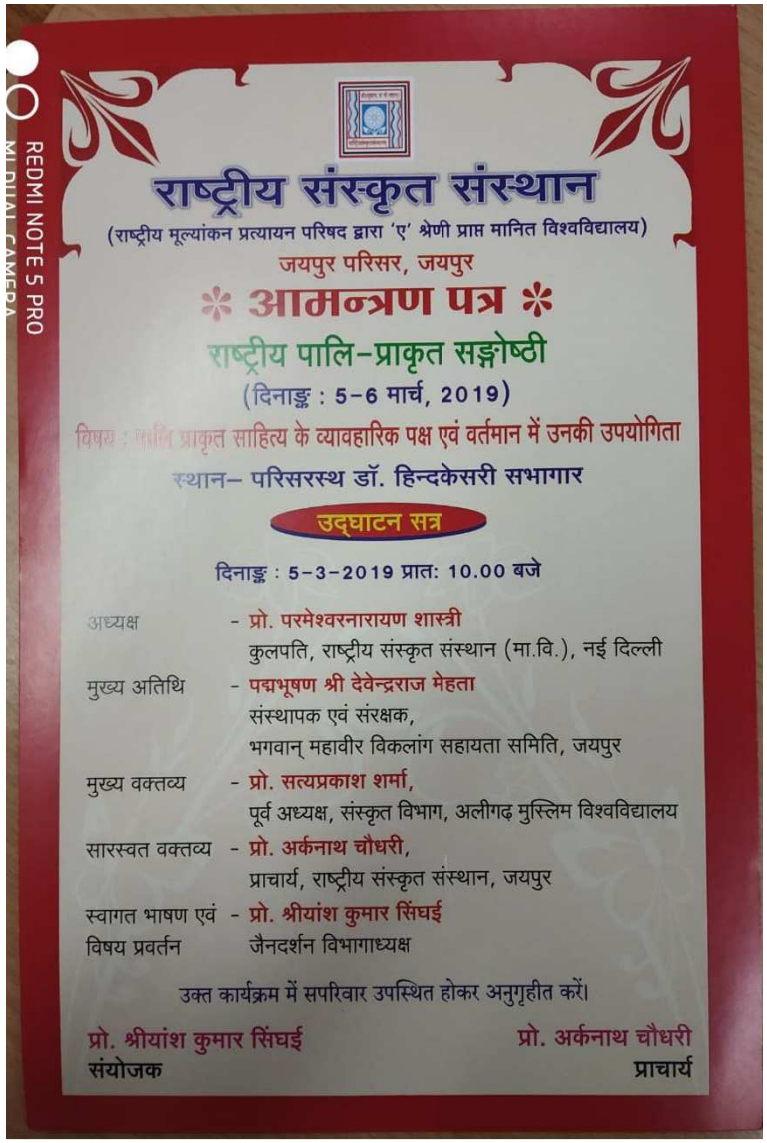

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान

(राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त मानित विश्वविद्यालय)

जयपुर परिसर, जयपुर

❊ आमन्त्रण पत्र ❊

राष्ट्रीय पालि-प्राकृत सङ्गोष्ठी

(दिनाङ्क : 5-6 मार्च, 2019)

विषय : पालि प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता

स्थान– परिसरस्थ डॉ. हिन्दकेसरी सभागार

उद्घाटन सत्र

दिनाङ्क : 5-3-2019 प्रात: 10.00 बजे

अध्यक्ष - प्रो. परमेश्वरनारायण शास्त्री
कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मा.वि.), नई दिल्ली

मुख्य अतिथि - पद्मभूषण श्री देवेन्द्रराज मेहता
संस्थापक एवं संरक्षक,
भगवान् महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर

मुख्य वक्तव्य - प्रो. सत्यप्रकाश शर्मा,
पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय

सारस्वत वक्तव्य - प्रो. अर्कनाथ चौधरी,
प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर

स्वागत भाषण एवं विषय प्रवर्तन - प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई
जैनदर्शन विभागाध्यक्ष

उक्त कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर अनुगृहीत करें।

प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई
संयोजक

प्रो. अर्कनाथ चौधरी
प्राचार्य